प्रदेश में हुये अलग-अलग तीन सड़क हादसों में सात जनों की मौत

नोखा, धौलपुर, श्रीमाधोपुर में हुये सड़क हादसे, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द किया

हाइवे किनारे खड़े ट्रोले में घुसी कार, दो दोस्तों की मौत

नोखा, (निसं)। होटल से खाना खाकर लौट रहे दो दोस्तों की कार बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े कबाड़ से भरे ट्रोले से टकरा गई।

- **देर रात को होटल से खाना खाकर लौट रहे थे दोनों दोस्त**
- **बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े कबाड़ से भरे ट्रोले से टकरा गई कार**

सड़क दुर्घटना में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार को पहचानना मुश्किल हो गया। लेफ्ट साइड से कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। आसपास के लोगों ने पुलिस को पुलिस को जानकारी दी। मामला नोखा थाना इलाके के चरकड़ा गांव के पास नोखा-नागौर रोड का देर रात करीब बारह बजे का है।

नोखा एसएचओ अमित स्वामी ने बताया कि बेरासर निवासी राकेश शर्मा (25) और कक्कू निवासी शिवनारायण जाट (26) दोनों दोस्त हैं। दोनों देर रात नोखा से करीब नौ किमी दूर नागौर रोड़ स्थित एलिशन होटल पर खाना खाने के लिए गए थे। जहां से वापस लौटते समय चरकड़ा गांव के मिस्त्री मार्केट के पास उनकी कार बेकाबू होकर सड़क किनारे कबाड़ से भरे ट्रोले से टकरा गई। एसएचओ ने बताया कि हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी नोखा पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को बागड़ी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया, जहां पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। जानकारी के अनुसार, राकेश शर्मा और शिवनारायण जाट दोनों की शादी नहीं हुई थी। राकेश दिल्ली में कूरियर का काम करता था। राकेश के पिता श्रीकिशन शर्मा की रायसिंहनगर के पास परचून की दुकान है। राकेश के एक भाई और एक बहन है। शिवनारायण शेयर मार्केट का काम करता था। शिवनारायण के पिता मजदूरी का काम करते हैं। शिव की दो बहनें हैं।

सड़क हादसे में देवर, भाभी व भतीजी की दर्दनाक मौत

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार देवर-भाभी एवं भतीजी को टक्कर मार दी थी

धौलपुर, (निसं)। मनिया थाना इलाके में बुधवार को आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सुआ का बाग चौराहे के नजदीक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार देवर-भाभी एवं भतीजी को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं भतीजा दूर जाकर गिर गया, जिससे बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर मनिया सरकारी अस्पताल की मोर्चरी पर रखवाया है।

जानकारी के मुताबिक सदर थाना क्षेत्र के फिरोजपुर गांव निवासी 22 वर्षीय विकास पुत्र राकेश अपनी भाभी 21 वर्षीय नूतन उर्फ नत्थो पत्नी सोनू और भतीजी 7 वर्षीय अनुष्का एवं एक भतीजे को बाइक पर बिठाकर ड़डोली गांव में किसी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने जा रहा था। बाइक सवार

मृतक देवर राकेश व भाभी नूतन।

- **भतीजा बाल-बाल बचा, रिश्तेदारी में धार्मिक आयोजन में शामिल होने जा रहे थे**

जैसे ही सुआ का बाग चौराहे के पास पहुंचा तो पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। इस सड़क हादसे में विकास, नूतन एवं अनुष्का की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक बच्चा दूर जाकर गिर गया, जिससे वह बाल-बाल बच गया। घटना से मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे को देख स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी।

थाना प्रभारी रामनरेश मीणा घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना से पुलिस ने मृतक के परिजनों को अवगत करा दिया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। घटना को लेकर थाना प्रभारी मीणा ने बताया अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार देवर, भाभी एवं एक भतीजी की मौत हुई है। अज्ञात वाहन चालक दुर्घटना को अंजाम देकर फरार हो गया है। हाईवे पर नाकाबंदी पॉइंट लगाए गए हैं। हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी देखे जा रहे हैं। आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। मुकदमा दर्ज कर मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आगरा से खाटूश्याम जा रही कार टोल बॉक्स से टकराई, दंपती की मौत

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के निकट रलावता-खंडेला टोल में बुधवार अलसुबह हुए सड़क हादसे में एक अनियंत्रित कार डिवाइडर और बंद पड़े टोल बॉक्स से टकराकर पलटी खा गई। हादसे में आगरा निवासी पति-पत्नी अजित सिंह व सीमा की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, यह सभी लोग खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जा रहे थे। परी जिन्होंने बताया कि उम्र तक अजीत सिंह खेती का कार्य करता है । हादसे हालत गंभीर होने पर उनको जयपुर रेफर किया गया। अचानक सड़क हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग दौड़कर आए।

रलावता-खंडेला टोल में हुये सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई।

- **हादसे में तीन बच्चों सहित छह लोग घायल, अस्पताल में भर्ती कराया**
- **कार सवार सभी लोग खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए जा रहे थे**

स्थानीय पुलिस तथा 108 एंबुलेंस को सूचना देकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। 108 एंबुलेंस ईएमटी हेमंत कुमार सैनी, चालक संजय सिंह ने बताया कि अजीत सिंह ने सड़क हादसे में मौके पर ही दम तोड़ दिया था। उसकी पत्नी सीमा ने जयपुर रेफर के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं सड़क हादसे में अन्य घायलों का इलाज जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह परिवार आगरा से खाटूश्याम जी दर्शन करने के लिए रवाना हुआ था, लेकिन रास्ता भटक जाने के कारण वे श्रीमाधोपुर से निकल रहे थे, लेकिन खंडेला श्रीमाधोपुर रोड रलावता के पास टोल टैक्स से टकराने से सड़क हादसे के शिकार हो गए।

महाकुंभ जा रहा परिवार यूपी में हादसे का शिकार, दो की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में रहने वाला एक परिवार प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने जा रहा था।, इस दौरान कार को उत्तरप्रदेश के झांसी जिले में अन्य वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्राथमिक उपचार के बाद भीलवाड़ा लौटते समय 13 साल के बालक ने यहां दम तोड़ दिया। शव को बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

प्रताप नगर थाना पुलिस ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद नगर निवासी दीपक दाधीच, अपने बेटे 13 वर्षीया अर्थव के साथ ही भीमा देवी व मकराना

- **कार को उत्तरप्रदेश के झांसी जिले में अन्य वाहन ने टक्कर मार दी थी**

निवासी कान कंवर के साथ 10 फरवरी की सुबह महाकुंभ में स्नान करने जाने के लिए कार से प्रयागराज रवाना हुए। 10-11 फरवरी की मध्य रात्रि को ये लोग उत्तरप्रदेश के झांसी जिले के पूंछ थाना इलाके में पहुंचे थे कि इनकी कार को पीछे से एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद कार असंतुलित होकर खाई में जा गिरी, हादसे में कान कंवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अर्थव घायल और बाकी लोग चोटिल हो गये। अर्थव दाधीच को वहां प्राथमिक उपचार कराने के बाद यह परिवार भीलवाड़ा लेकर आ रहा था। यहां सुवाणा गांव के नजदीक अर्थव अचानक बेसुध हो गया। उसे तत्काल शहर के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे एमजी अस्पताल भिजवा दिया गया। एमजी अस्पताल में प्राथमिक परीक्षण के बाद अर्थव को डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया, जिसका बुधवार सुबह प्रताप नगर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा, शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पार्षद पर हमला

भीलवाड़ा, (निसं)। अपने ही बोर्ड से चुने महापौर द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना भाजपा के पार्षद को उस वक्त महंगा पड़ गया, जब महापौर के चहेते पार्षदों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। भाजपा से चुने गए वार्ड 25 के पार्षद राजेश सिसोदिया निगम में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। कार्यपालिका से लेकर न्यायपालिका तक अपनी शिकायत पहुंचाने के बाद गत दिनों महापौर राकेश पाठक और आयुक्त हेमाराम चौधरी द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के दो मामलों में एसीबी में परिवाद दर्ज होने के बाद से महापौर पाठक बौखलाए हुए हैं। शिकायतकर्ता सिसोदिया का आरोप है कि आज रोजमर्रा की तरह जब वो निगम पहुंचे तो महापौर के इशारे पर उनके चहेते पार्षद उदयलाल तेली ने अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें जलील करने का प्रयास किया यही नहीं भाजपा से ही वार्ड 12 के पार्षद हेमंत शर्मा ने भी सिसोदिया को अपशब्द कहते हुए हमला कर दिया।

13 भूखण्डों को बेचकर करोड़ों का गबन, आरोपी गोवा से गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की उदयमंदिर पुलिस ने फर्जी आम मुख्तयारनामा के आधार पर 13 भूखंडों को बेचने के बाद करोड़ों रूपए हड़पने के आरोपी को गोवा से गिरफ्तार किया है। आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था। उसके गोवा में होने की जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम वहां पहुंची और दस्तयाब कर लाई। उसका एक अन्य साथी भी पुलिस के हाथ लगा है। वहीं तीसरे साथी की तलाश की जा रही है जोकि फरार हो गया।

थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि धोखाधड़ी के आरोपी दवेश शर्मा निवासी बोड़ों की घाटी, नवचौकिया को गिरफ्तार किया गया है। उसके साथ में एक अन्य साथी हरीश वैष्णव को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दवेश शर्मा भूखंडों का बेचान कर फर्जीवाड़ा करते हुए मडगांव गोवा में जाकर रहने लगा था। एक अन्य आरोपी पीयूष दाधिच फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

थानाधिकारी खोजा ने बताया कि मामले में रामबाग रोड कागा निवासी कौशल्या देवी बंग पत्नी पुखराज बंग ने रिपोर्ट दी थी। इसके अनुसार उसके स्वयं की ठााम दइजर की जमीन का फर्जी व कुटरचित आम मुतख्यारनामा तैयार कर भूखण्डों को आगे अलग अलग व्यक्यिों को बेचान कर दिया है। थानाधिकारी खोजा ने बताया कि सह आरोपी हरिश वैष्णव पुत्र गंगादास वैष्णव निवासी चूने की चौकी, ब्रह्मपुरी जोधपुर को भी गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया।

पहाड़ी एवं नगर में ठेकेदार वसूल कर रहा अधिक रॉयल्टी

भरतपुर, (निसं)। जिला डीग की तहसील पहाड़ी एवं नगर में जिस कंपनी ईआरसीसी का ठेका संचालित है उस कंपनी का ठेकेदार रॉयल्टी के नाम पर निर्धारित दर से अधिक रॉयल्टी वसूल कर रहा है। ठेका नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। खान विभाग द्वारा ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ठेकेदार की की कारगुजारी का खनन विभाग के अधिकारियों को बखूबी पता होने के बावजूद भी नियमों का पालन नहीं करवाया जा रहा है। ठेका नियमों के तहत रॉयल्टी राशि रुपए 49.28 पैसे निश्चित है लेकिन ठेकेदार पत्थर पर रॉयल्टी 70 से 80 प्रति टन वसूल कर रहा है। गलत तरीके से ठेकेदार द्वारा पत्थर पर रॉयल्टी गाड़ियों पर फिक्स करके वसूल की जा रही है जो ठेका

- **खान विभाग द्वारा ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है**

नियमों के अनुसार गलत है। ठेका नियमों में गाड़ी में जितना माल हो उस माल की रॉयल्टी दर के अनुसार रॉयल्टी वसूल करना अनिवार्य है लेकिन यहां ठेकेदार 70 से 80 तक प्रतिदिन वसूल कर रहा है जो गैरकानूनी है। क्रशर से पिसे हुए खनिज की रॉयल्टी दर 60 प्रति टन के हिसाब से वसूल कर रहा है। ठेका क्षेत्र में कोई भी खान संचालक या क्रशर संचालक अधिक राशि वसूल करने के विरोध में शिकायत करता है या आवाज उठाता है तो उस आवाज को उठाने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस एवं खान विभाग द्वारा करवाई करवाने की धमकी दी जाती है जिसके कारण दबाव में यह अवैध वसूली का खेल चल रहा है। खान विभाग द्वारा जारी प्रपत्र फार्म संख्या 44 के बिना ही अवैध वसूली का खेल चल रहा है वह ठेकेदार द्वारा खनन विभाग द्वारा निर्धारित दर से अधिक राशि वसूल करना ठेका नियमों के खिलाफ है। ठेकेदार एवं ठेका कर्मचारियों ने एक व्हाट्सएप ग्रुप चला रखा है जो अवैध पर्चियों से गाड़ियों का परिवहन किया जा रहा है वहां पर ठेका नियमों का किसी भी प्रकार से पालन नहीं किया जा रहा है। रॉयल्टी ठेकेदार की इस कार गुजारी के कारण ठेका और अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा है एवं खान विभाग व पुलिस ठेकेदार के दबाव के कारण कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

वांटेड ड्रग्स तस्कर और सप्लायर गिरफ्तार

पाली, (निसं)। पाली पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के मामले में वांटेड ड्रग्स तस्कर और सप्लायर को करीब 15 दिन की मशक्कत के बाद आखिरकार पकड़ने में कामयाबी हासिल की। दोनों को पुलिस प्रतापगढ़ से दस्तयाब कर लाई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपियों का प्रदेश में मेवाड़ से लेकर मारवाड़ तक में नेटवर्क फैला हुआ है। इसको लेकर पुलिस पड़ताल में जुटी है।

सदर थाना के सहदेव चौधरी ने बताया कि 29 जनवरी को सोनाईमांझी टोल प्लाजा पर मेवाड़ से मारवाड़ लाई जा रही 561 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स सहित एक ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया था। उससे मिली जानकारी के अनुसार मामले में वांछित ड्रग्स तस्कर व सप्लायर को पकड़ने के लिए टीम गठित की, जो आरोपियों की तलाश में उदयपुर, चित्तौड़गढ़,

- **आरोपियों ने मेवाड़ से लेकर मारवाड़ तक नशे का कारोबार फैला रखा था**

निम्बाहेड़ा, प्रतापगढ़ में कई दिनों तक घूमती रही। आखिरकार आरोपियों के प्रतापगढ़ में छुपे होने की सूचना पर टीम प्रतापगढ़ पहुंची। जहां से ड्रग्स तस्कर अजरूदीन पुत्र शमशेर खान पठान निवासी मुसलमानों का बास कोठड़ी प्रतापगढ़ और सप्लायर दिलीप पुत्र मांगीलाल कीर निवासी कोठड़ी प्रतापगढ़ को दस्तयाब कर पाली लाए। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने मेवाड़ से लेकर मारवाड़ तक नशे का कारोबार फैला रखा है। इसको लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

मां-बाप ने नवजात को कंटीली झाड़ियों में छोड़ा

पाली, (निसं)। पाली में मां-बाप 10 से 15 दिन की नवजात को कंटीली झाड़ियों में मरने के लिए छोड़ कर चले गए। रास्ते से गुजर रहे एक किसान ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी तो उसे उठाकर अपने सीने से लगा लिया। पानी और दूध पिलाकर चुप कराया। नवजात को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां बच्ची की हालत खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह किसान इकलास खान सिंधी बाइक पर अपने खेत से निम्बाड़ा स्थित घर की ओर जा रहे थे।

भालेलाव-निम्बाड़ा गांव के बीच झाली के पास उन्हें बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। झाड़ियों में जाकर देखा तो एक मासूम रो रही थी। उन्होंने तुरंत उसे संभाला और निम्बाड़ा, भालेलाव, निम्बली के ग्रामीणों का सूचना दी। उन्होंने मासूम को संभाला और सीने से लगाकर चुप करवाने का प्रयास किया। इस बीच मौके पर ग्रामीण पानी और दूध लेकर पहुंचे। सूचना पर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। मासूम को तुरंत इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कर लिया गया है। मासूम की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। ग्रामीण ओमप्रकाश मेघवाल ने बताया कि मासूम को अच्छे कपड़े और

- **नवजात को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां बच्ची की हालत खतरे से बाहर है**

पैरों में मौजे पहना रखे थे। बेबी टॉवेल में लिपटा कर उसे छोड़ा गया। उसके बाल बनाए हुए थे और आंखों में काजल भी लगाया हुआ था। पूरा श्रृंगार कर उसे परिजन उसे झाड़ियों में छोड़कर चले गए। डॉक्टर बोले कि बच्ची एकदम स्वस्थ है, जांचें करवा रहे हैं। मामले में बांगड़ हॉस्पिटल के चाइल्ड विभाग के एचओडी डॉ. आरके विश्नोई ने बताया कि बच्ची का जन्म 10 से 15 दिन पहले हुआ है। बच्ची का वजन 2.6 है। प्रारंभिक जांच में वह स्वस्थ नजर आ रही है। फिर भी आवश्यक जांचें करवा रहे हैं, जिससे पता चले सके कि उसे किसी तरह का इन्फेक्शन या कोई बीमारी तो नहीं है। मामले में सदर थाने के सब इंस्पेक्टर ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि मासूम को इलाज के लिए बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। बाल कल्याण समिति को भी सूचना दी। शुरुआती जांच में बच्ची स्वस्थ है। डॉक्टरों की टीम मॉनिटरिंग कर रही है।

चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया

अजमेर, (कासं)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरों ने आरपीएफ में तैनात कांस्टेबल के सूने मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात अंजाम दी और मकान से 80 हजार नकदी सहित सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घूघरा कायड़ रोड निवासी राजभंवर आरपीएफ में कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं। उन्होंने बताया कि अपने परिवार के साथ पुलिस लाइन अजमेर स्थित अपने रिश्तेदार के घर एक दिन के लिए गए थे। अगले दिन वापस लौटे तो घर के ताले टूटे हुए मिले। अंदर जाने पर अलमारी और लॉकर भी खुले हुए थे। पलंग पर सारा सामान बिखरा पड़ा था। सूना मकान होने की वजह से चोरों ने आराम से घर की तलाशी ली। राजभंवर ने बताया कि चोरों ने तीन सोने के मंगलसूत्र, गले का चिक सेट, रखड़ी का सेट, तीन जोड़ी सोने के झुमके अन्य चांदी के जेवरात और 80 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। चोरों ने वारदात को इतनी सफाई से अंजाम दिया कि पडोसियों को भनक तक नहीं लगी।

12 लाख रुपए की नशीली दवाओं की खेप पकड़ी, महिला समेत तीन गिरफ्तार

नशीली दवाएं गुजरात से आती है और राजस्थान के जरिए पंजाब सप्लाई की जाती है

बीकानेर, (निसं)। रेंज की स्पेशल टीम और महाजन थाना पुलिस ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे से नशीली दवाओं की खेप पकड़ी है। तस्करी का नेटवर्क तीन राज्यों में फैला हुआ है। नशीली दवाएं गुजरात से आती है और राजस्थान के जरिए पंजाब सप्लाई की जाती है। पुलिस ने एक्सप्रेस-वे पर पहली बार कार्रवाई करते हुए महिला समेत तीन लोगों को पकड़कर 12 लाख रुपए की दवाएं बरामद की है।

बीकानेर रेंज की स्पेशल टीम और महाजन थाना पुलिस ने देर रात को एक्सप्रेस-वे पर कार में सवार महिला सहित तीन लोगों को रोककर तलाशी ली। कार की डिग्गी में दो कार्टन में छिपाकर रखी ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोरिक टैबलेट यूएसपी 100 एमजी बरामद की गई। पुलिस ने कार में सवार महिला पंजाब के अबोहर, अजवाना निवासी शिमला रानी, फाजिल्का के जवाहरसिंहवाला

- **तीनों अभियुक्तों ने नशे की खेप जैसलमेर जिले के रामदेवरा से ली और कार से पंजाब ले जा रहे थे**
- **रास्ते में पुलिस के रोकने पर महिला शिमला को बीमार बताया जाता था और पुलिस से बच जाते थे**

निवासी संतोकसिंह व फाजिल्का के बामेवाला पोस्ट जलालाबाद निवासी प्यारासिंह को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि नशीली दवाइयों की तस्करी नेटवर्क तीन राज्यों में फैला है और गिरोह के रूप में तस्करी की जा रही है। गुजरात से नशीली दवाइयां राजस्थान भेजी जाती है और यहां से पंजाब में सप्लाई होती है। तीनों अभियुक्तों ने नशे की खेप जैसलमेर जिले के रामदेवरा से ली और कार से पंजाब ले जा रहे थे। ढाई लाख रुपए में 60 हजार टैबलेट ली जो तीन से चार गुना दाम में बेच देते हैं। पुलिस अब रामदेवरा में सप्लायर और गुजरात में सरगनाओं की खोजबीन में जुटी है।

रेंज की स्पेशल टीम की सूचना पर गिरफ्त में आए अभियुक्त पूर्व में 15 बार नशीली दवाइयों की सप्लाई कर चुके हैं। पुलिस ने अभियुक्तों को कोर्ट में पेश कर महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया और दोनों अभियुक्तों को 4 दिन के रिमांड पर लिया है।

पुलिस की गिरफ्त में अभियुक्तों में से संतोकसिंह और शिमला रानी रिश्ते में जीजा-साली है। जीजा ने अपनी साली को पुलिस से बचने का जरिया बनाया और उसे 10 हजार रुपए देने का वादा किया। पूर्व में भी उसे साथ में लिया और पांच रुपए दिए थे। तस्करों की योजना थी कि कार में महिला सवार को देखकर पुलिस संवेदनशीलता बरतेगी और ज्यादा पूछताछ नहीं करेगी। रास्ते में रोकने पर शिमला को बीमार बताया जाता था और पुलिस से बच जाते थे। इस बार पुख्ता सूचना होने पर पकड़े गए।

नशीली दवाइयों की तस्करी करने वाले पंजाब के स्कूलों में छात्र-छात्राओं में नशे की लत डाल रहे हैं। तस्करी की दवाएं दुकानों पर और स्कूलों में बच्चों को बेचने के लिए दी जाती है। दुकानों पर डिब्बे बेच जाते हैं और स्कूली बच्चों को दवाइयों के एक-एक डिब्बे थमाए जाते हैं जो अपने साथियों और अन्य छात्र-छात्राओं को बेच देते हैं। अभियुक्त पूर्व में 15 बार लाख रुपए की दवाइयों की तस्करी कर चुके हैं, यानी पंजाब में इनका गोरखधंधा जोरों पर हैं।

गुजरात को पंजाब से जोड़ने वाला एक्सप्रेस-वे तस्करों के लिए सेफ रूट बन गया है। एक्सप्रेस-वे के जरिए डोडा-पोस्त, अफीम, शराब और नशीली दवाइयों की तस्करी हो रही है। एक्सप्रेस-वे गुजरात से राजस्थान होते हुए पंजाब तक जाता है। लंबी दूरी होने के बावजूद इस पर ना तो सीसीटीवी कैमरे हैं और ना ही पुलिस की नियमित गश्त की कोई व्यवस्था है। पूरे रूट पर एक भी पुलिस चौकी या थाना नहीं है। इसलिए तस्कर अब पुराने हाइवे और रास्तों की बजाय एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियां दौड़ा रहे हैं। इस पर उनकी निगरानी भी नहीं होती और दूरी कम होने के कारण ठिकानों तक जल्दी पहुंच जाते हैं। गुजरात और राजस्थान से नशीले पदार्थ पंजाब पहुंच रहे हैं और वहां से बड़े पैमाने पर शराब की तस्करी की जाती है। एक्सप्रेस-वे बनने के बाद से सुरक्षा पर सवाल उठे हैं, लेकिन इसका समाधान नहीं निकल पाया है। टीम में एसआई देवीलाल सहारण, हेड कांस्टेबल विमलेश कुमार, कांस्टेबल रविन्द्रसिंह, बाबूलाल, मुखराम, राजेश कुमार और महाजन थाना एसएचओ कश्यपसिंह शामिल थे।